[श्री केदार पांडे]

जहां तक लॉ-एंड-आर्डर की बात है, वह भी सुधरेगी। ऐसा नहीं है कि वह बराबर वैसी ही रहेगी। उसमें सुधार होगा और सुधार हो रहा है। जैसा कि मैंने आपको बताया है कि दो-तीन कदम हमने उठाए हैं –एक यह कि जो नाइट ट्रेन चलेंगी, उनमें हम गार्ड दे रहे हैं और दूसरी जो पैसेंजर ट्रैन हैं, उनको सुपरवाइजर भी चैक करेंगे। अभी पीछे दो लाख आदमी बिना टिकट के सफर करते हुए पकड़े गए। उनको सजा भी हुई और यह काम फिर शुरू हो जाएगा। बिना टिकट सफर करने वालों में बड़े-बड़े आदमी पकड़े गए हैं। बिना टिकट सफर करना तो लोगों ने एक रूटिन वर्क बना लिया है, जो कि देश के लिए हितकर नहीं है। यह अपने देश की बात है, मैं और ज्यादा क्या कहूं। टिकट लैस ट्रैवलिंग एक पुरानी बीमारी है।

एक माननीय सदस्य : बिहार में ज्यादा है।

श्री केदार पांडे : बिहार में ही नहीं सारे देश में है। बंगाल में और भी ज्यादा है। आप भारत की बात कीजिए। सारे भारत में टिकटलैस ट्रैवलिंग एक बीमारी है, रूटीन-वर्क है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप सारे भारत की बात सोचिए।

इन शब्दों के साथ मैं कहता हूं कि लॉ-एंड-आर्डर भी सुधरेगा, डकैती भी बन्द होगी, चोरी भी बन्द होगी और बिना टिकट के चलने वालों की संख्या में भी कमी होगी। बड़े-बड़े लोग पकड़े गए हैं कोई प्रिंसिपल है और न जाने कौन-कौन लोग हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे) टी० वी० पर बिना टिकट सफर करने वाले लोगों को दिखाया गया है।

श्री केदार पान्डे : मंत्री जी बता रहे हैं कि टी० वी० पर टिकटलैस पकड़े गए लोगों को दिखाया है। हमने देखा है कि बड़े-बड़े लोग पकड़े गए हैं। टिकटलैस ट्रैवलिंग ब्लड-शूगर जैसी बीमारी है जो समाज के ब्लड में घुस गई है, इसको निकालना होगा और यह सब के सहयोग से ही निकलेगी केवल हमारे ही प्रयासों से नहीं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह निराशा की बात नहीं है, यह देश बनेगा, जरूर बनेगा। हम इस दिशा में बहुत कुछ आगे गए हैं, कहीं-कहीं पर गड़बड़ियां हैं, उसको हम ठीक करेंगे।

15.22 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) CONSTRUCTION OF AN AIRPORT AT CALICUT

†SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palaghat): According to the latest report, the land required for the airport at Calicut is inadequate. This has created some apprehension in the minds of the people of Kerala that ultimately this project may be shelved permanently on one pretext or the other. This matter has been hanging fire for over a decade. After passing through many uncertainties, ultimately the authorities decided to have the site inspected and land acquired. On 1st April, 1981, the Hon. Prime Minister assured the people of Kerala that

†The Original speech was delivered in Malayalam.

the work on this airport would start within a few months. It is understood that the priliminary estimates were also prepared. But now it is said that the land acquired is not sufficient for the airport.

It must be normally presumed that site selection was done after carefully examining all aspects regarding adequacy of land etc. by the expert committee appointed for that purpose. Therefore, it is surprising that the authorities should have come out with such a plea.

An airport at Calicut is a long-standing demand of the people of Kerala. The commercial as well as strategic importance of this airport need hardly be emphasised. If the intension is to scuttle the project on the flimsy ground that enough land is not available etc., it would be most unfortunate. Therefore, I strongly urge upon the Government to acquire enough land immediately and start the work and thus implement the assurance given to the people of Kerala by the hon. Prime Minister.

(ii) TREATMENT METED OUT TO PRISONERS IN JAILS WITH PARTICULAR REFERENCE TO THE CENTRAL JAIL MUZAFFARPUR (BIHAR)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): देश की विभिन्न जेलों की दुर्दशा के संबंध में आये दिन अखबार में समाचार आते रहते हैं, लेकिन बिहार के मुजफ्फरपुर केन्द्रीय कारा की जो दुर्दशा मैंने देखी उस से किसी को भी आश्चर्य एवं दुःख हो सकता है। मैंने 16-9-1981 को गिरफ्तारी दी। तत्पश्चात मुझे मुजफ्फरपुर केन्द्रीय कारा में ले जाया गया, जहां आम कैदियों का स्थानान्तरण एक जेल से दूसरे जेल होता रहता है, वहीं कुछ कैदी 10-10 साल तक उसी जेल में हैं। कई कैदी को एक टिकिया दवाई और समुचित भोजन के अभाव में दम तोड़ देना पड़ता है; वहीं दूसरी ओर एक-एक कैदी प्रति माह 4-5 हजार रुपए जेल से नाजायज कमा कर घर भेजता है। जेल में 9 बजे रात्रि के बाद जेल की खाद्य सामग्री एवं तेल आदि प्रति दिन बाहर भेजी जाती है। सब से आश्चर्य की बात तो यह है कि जेल में कुछ कुख्यात अपराधियों को रात्रि में जेल से बाहर निकाल कर डकैती कराई जाती है और पुनः सवेरा होने से पहले जेल में बन्द कर दिया जाता है।

दलाल कैदियों द्वारा प्रतिदिन छोटे-छोटे लड़कों के साथ अनैतिक कार्य किया जाता है और यदि कोई उस का विरोध करता है तो उसे अपने जीवन से भी हाथ गंवाना पड़ता है। कैदी की रिहाई के समय वस्त्र तथा आकस्मिक खर्चे के नाम पर प्रति वर्ष लाखों रुपये के घोटाले होते हैं। शुरू में जो कैदी आता है, उसे पीटना और उस के यहां से पैसा मंगवाना आम बात है। रिहाई आदेश आने के बाद भी उन कैदियों द्वारा घूस में पैसा जब तक नहीं दिया जाता है, तब तक उसे जेल से बाहर नहीं निकालते हैं। खाने के नाम पर सड़ा हुआ आटा, कंकर मिला चावल, सड़ी-गली सब्जी, पानी के समान दाल, जेल का उत्तम भोजन माना जाता है ......

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रामदुलारी सिन्हा): हम लोगों को भी आपके शासन काल में हजारी बाग जेल में काला-काला बैंगन दिया था और वह भी सड़ा-गला।

श्री राम विलास पासवान: वही कह रहा हूं. आपके साथ भी ऐसी घटना घटी थी, मुजफ्फरपुर जेल में आप को भी चीना गया था।

रेल मंत्री (श्री केदारपांडे): आप लोगों के वक्त में हम लोग भी हजारी बाग जेल